

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(त्रमाधारण)

हिमाचल प्रदेश शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 18 सितम्बर, 1959/27 भाद्रपद, 1881

HIMACHAL PRADESH ADMINISTRATION

REVENUE AND EXCISE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Simla-4, the 12th August, 1959/21st Sravana, 1881

No. Ex. 9-384/59.—The Government of India, Ministry of Finance, Notification No. 644, dated the 28th February, 1959 is reproduced below for general information.

RAGHUBIR SINGH, Joint Secretary (Revenue).

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(म्राधिक कार्य विभाग)

ग्रथिसूचना नई दिल्ली, २८ फरवरी, १९५७

 यो नियम केन्द्रीय विकय कर (रुजिस्ट्रीकरण भ्रौर व्यापारावर्त) नियम, १६५७ कहलाए जा सर्केंगे।

- २. इन नियमों में जब तक कि प्रसंग से ग्रन्यथा ग्रंपेक्षित न हो :
 - (क) "ग्रधिनियम" से केन्द्रीय विकय कर ग्रधिनियुम , १६५६ ग्रभिप्रेत है ;
 - (कक) ''प्राधिकृत पदाधिकारी'' से धारा দ की उपधारा (४) के खंड (ख) के ग्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी ग्रभिप्रेत है ;
 - (ख) "प्ररूप" से इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप ग्रभिप्रेत है;
 - (ग) ''ग्रिधिसूचित प्राधिकारी'' से धारा ७ की उपधारा (१) के ग्रिधीन उल्लिखित प्राधिकारी ग्रिभिप्रेत है ;
 - (गग) ''विहित प्राधिकारी'' से यथास्थिति धारा ६ की उपधारा (३) के श्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा सशक्त प्राधिकारी या धारा १३ की उपधारा (४) के खंड (ङ) के श्रधीन राज्य सरकार द्वारा विहित प्राधिकारी श्रभिप्रेत हैं ;
 - (घ) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;
 - (घघ) "हस्तान्तरक" से कोई ऐसा व्यक्ति ग्रिभिप्रेत है जो कि धारा ३ के खंड (ख) में निर्दिष्ट ढंग में कोई विकय करता है;
 - (ङ) "भांडागार" से कोई ऐसा घर, इमारत या जलयान ग्रभिप्रेत है जिसमें व्यापारी विकयार्थ वस्तुग्रों का स्टाक रखता है।

रजिस्ट्रोकररा का प्रमाणपत्र

- ३. (१) धारा ७ के ग्रंधीन रजिस्ट्रीकरण का ग्रावेदन प्ररूप 'क' में व्यापारी द्वारा ग्रिथमूचित प्राधिकारी से किया जायगाः ग्रौर
 - (क) कारवार के स्वत्वधारी द्वारा या फर्म की ग्रवस्था में उसके भागीदारों में से एक के द्वारा या हिन्दू ग्रविभक्त परिवार की ग्रवस्था में परिवार के कर्ता या प्रवन्ध्रक द्वारा या समवाय ग्रिधिनियम, १९५६ के ग्रधीन निगमित समवाय की ग्रवस्था में उसके निदेशक, प्रबन्ध-ग्रिभिकर्त्ता या उसके प्रधान पदाधिकारी द्वारा या सरकार की ग्रवस्था में उस सरकार द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा या व्यक्तियों की किसी ग्रन्य संस्था की ग्रवस्था में कारबार का प्रबन्ध करने वाले प्रधान पदाधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जायगा; ग्रौर
 - (ख) उक्त प्ररूप 'क' में उपबन्धित रीति में सत्यापित किया जायगा।
 - (२) जहां कि एक राज्य के भीतर, एक से ग्रिधिक कारबार के स्थान किसी व्यापारी के हैं वहां वह ऐसे सब स्थानों की बाबत एकल ग्रावेदन देगा, ऐसे स्थोनों में से एक को ऐसे ग्रावेदन में इन नियमों के प्रयोजनों के लिए, कारबार के प्रमुख स्थान के रूप में नामांकित करेगा ग्रीर ऐसा ग्रावेदन ऐसे ग्रिधिस्चित पदाधिकारी को भेजेगा जो कि नामांकित कारबार के प्रमुख स्थान की बाबत उल्लिखित है:

परन्तु कोई नामांकित स्थान, किसी ग्रवस्था में भी उस स्थान से, यदि कोई हो, चाहे वह किसी भी नाम से क्यों न ज्ञात हो, भिन्न नहीं होगा, जो कि राज्य की साधारण विकय कर विधि के ग्रथीन उस ने कारबार का प्रमुख स्थान घोषित किया है।

- ४. (१) धारा ७ की उपधारा (१) के ग्रधीन वाला रिजस्ट्री करण का ग्रावेदन, उस तारीख से ग्रनिधक तींम दिन पश्चात् किया जायगा, जिस को कि व्यापारी ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर चुकाने के दायित्वाधीन होता है।
- (२) धारा ७ की उपधारा (२) के ग्रधीन वाला रजिस्ट्रीकरण का ग्रावेदन इस ग्रधिनियम के प्रारम्भ के पश्चात किसी समय किया जा सकेगा।
- (३) उपनियम (१) या उपनियम (२) के ग्रधीन वाले रिजस्ट्रीकरगा के प्रत्येक ग्रावेदन की वाबत पांच रुपये की फीस देय होगी; ग्रौर ऐसी फीस ऐसे ग्रावेदन पर चिपकाये गर्ये न्यायालय फीस मुद्रांकों के रूप में चकाई जा सकेगी।
- ५. (१) जब किसी ग्रिधिसूचित प्राधिकारी का समाधान ऐसी जांच करने के पश्चात्, जैसी कि वह ग्रावश्यक समझता है, हो जाता है कि ग्रावेदन में ग्रन्तिविष्ट विशिष्टियां शुद्ध ग्रौर पूर्ण हैं ग्रौर नियम ४ के उपनियम (३) में निर्विष्ट फीस चुकाई जा चुकी है तब वह व्यापारी का रिजस्ट्रीकरण करेगा ग्रौर उसे प्ररूप (ख) में रिजस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र ग्रौर उस में विणित कारबार के प्रमुख स्थान से भिन्न राज्य के भीतर के कारबार के प्रत्येक स्थान के लिए ऐसे प्रमाणपत्र की एक प्रति भी ग्रनदत्त करेगा।
- (२) जब कि उक्त प्राधिकारी का समाधान न हुग्रा हो कि ग्रावेदन में ग्रन्तिविष्ट विशिष्टयां शुद्ध ग्रौर पूर्ण हैं या जहां कि नियम ४ के उपनियम (३) में निर्दिष्ट फीस चुकाई नहीं गई है वहां वह लेखनबद्ध रूप में ग्रीभिलिखित किये जाने वाले कारणों के लिए ग्रावेदन को ग्रस्वीकार कर देगा:

परन्तु ग्रावेदन ग्रस्वीकार करने के पूर्व ग्रावेदक को उम विषय में सुने जाने का ग्रौर यथास्थिति उक्त विशिष्टियों को शुद्ध ग्रौर पूर्ण करने का या नियम ४ के उपनियम (३) की ग्रपेक्षाग्रों का ग्रनुवर्त्तन करने का ग्रवसर दिया जायेगा।

- ६. नियम ५ के उपनियम (१) के ग्रधीन ग्रनुदत्त रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र ऐसे प्रमाणपत्र में वर्णित कारबार के प्रमुख स्थान में रख्त जायेगा ग्रौर उक्त उपनियम के ग्रधीन ग्रनुदत्त ऐसे प्रमाणपत्र की एक प्रति ऐसे प्रमाणपत्र में वर्णित कारबार के प्रमुख स्थान से भिन्न राज्य के भीतर के कारबार के प्रत्येक स्थान में रखी जायगी।
- ७. (१) जहां कि कोई व्यापारी इन नियमों के ग्रधीन ग्रपने को ग्रनुदत्त रिजस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र का संशोधन करवाना चाहता है वहां वह ग्रपने को ग्रनुदत्त रिजस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र ग्रौर उसकी प्रतियों के सिहत, यदि कोई हों, ऐसे उिल्लिखित मामलों को जिनकी बांबत वह ऐसा संशोधन चाहता है ग्रौर उनके कारणों को उपवर्णित करते हुए ग्रधिसूचित प्राधिकारी को इस प्रयोजन के लिये एक ग्रावेदन भेजेगा ग्रौर यदि दिये गये कारणों से ऐसे प्राधिकारी का समाधान हो जाता है तो वह उसको ग्रनुदत्त रिजस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र ग्रौर उसकी प्रतियों में ऐसे संशोधन कर सकेगा जैसे कि वह ग्रावश्यक समझता है।
- (२) धारा ६ के उपबन्ध ऐसे संशोधन प्रमारापत्र श्रौर उसकी प्रतियों की बाबत ऐसे लागू होंगे जैसे कि वे मुल प्रमारापत्र श्रौर उसकी प्रतियों की बाबत लागू होते हैं।
- ८. (१) जहां कि किसी व्यापारी को ग्रनुदत्त रिजस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र खो जाता
 है या विनष्ट, विरूपित या विकृत हो जाता है वहां वह ग्रिधसूचित प्राधिकारी को तिम्निमित्त

दिये गये स्रावेदन पर स्रौर दो रूपये की फीस की स्रदायगी पर ऐसे प्रमारापत्र की द्वितीय प्रति स्रभिप्राप्त कर सकेगा।

(२) उपनियम (१) के ग्रधीन देय फीस न्यायालय फीस मुद्रांकों के रूप में चुकाई जायगी।

रजिस्ट्रीकरण के प्रमारापत्रों का संशोधन या श्रपखण्डन

- १. (१) ग्रिधिसूचित प्राधिकारी, धारा ७ की उपधारा (४) के ग्रियीन व्यापारी के रिजस्ट्रीकरएा के प्रमाएएपत्र का, यथास्थिति संशोधन या ग्रेपखंडन करने के पूर्व, उसे उस विषय में सुने जाने का ग्रवसर देगा।
- (२) यदि रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र में संशोधन करने की प्रस्थापना की जाती है तो व्यापारी ग्रपने को ग्रनुदत्त रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र ग्रौर उसकी प्रतियां, यदि कोई हों, उनका संशोधन कराने के लिए, ग्रिधसुचित प्राधिकारी के सामने, तत्क्षरण पेश करेगा।
- (३) यदि रिजस्ट्रीकरण का प्रमारापत्र अपखंडित कर दिया जाता है तो व्यापारी अपने को अनुदत्त रिजस्ट्रीकरण का प्रमारापत्र और उसकी प्रतियां, यदि कोई हों, तत्क्षण, अधिसूचित प्राधिकारी को अभ्यपित कर देगा।
- १०. यदि कोई व्यापारी ग्रपने रिजस्ट्रीकरण के श्रपखंडन के लिए धारा ७ की उपधारा (४) के ग्रधीन ग्रावेदन करना चाहता है तो वह ग्रपने को ग्रनुदत्त रिजस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र ग्रीर उसकी प्रतियों के सिहत, यदि कोई हों, तिन्निमित्त एक ग्रावेदन उम उपधारा में उिल्लिखित समय के भीतर श्रिधसूचित प्राधिकारी को भेजेगा ग्रीर ऐसे ग्रावेदन से उम उपधारा के उपबन्धों के ग्रनुकुल वरता जायेगा।

व्यापारावर्त का ग्रवधाररा

११. (१) इस म्रिधिनियम के म्रियोन कर चुकाने के दायित्वाधीन किसी व्यापारी की वावत व्यापारावर्त की कालाविध वही होगी जिसकी बाबत कि वह समुचित राज्य की साधारण विकय कर विधि के म्रिधीन विवरिण्यां देने के दायित्वाधीन है:

परन्तु जो व्यापारी समुचित राज्य की साधारण विकय कर विधि के ग्रिथीन विवरिण्यां देने के दायित्वाधीन नहीं है उसके सम्बन्ध में व्यापारावर्त की कालाविध यथास्थिति वित्तीय वर्ष की ३० जून, ३० सितम्बर, ३१ दिसम्बर ग्रीर ३१ मार्च को समाप्त होने वाला तिमासा होगा।

(२) धारा द के प्रयोजनों के लिए व्यापारी का व्यापारावर्त ग्रवधारित करने में, ऐसी वस्तुओं के केता द्वारा व्यापारी को वस्तुओं के परिदान की तारीख से तीन मास की कालाविध के भीतर वापस की गई सब वस्तुओं की विकय कीमत घटा दी जायेगी:

परन्तु यह तब जब कि वस्तुओं की ऐसी वापसी, ग्रीर नकद प्रतिदान या लेखा समायोजन के रूप में रकम के ऐसे प्रतिशोधन का समाधानप्रद साक्ष्य विहित प्राधिकारी के सामने पेश किया जाता है।

- १२. (१) धारा ८ की उपधारा (४) में निर्दिष्ट घोषणा और प्रमाग्यपत्र कमशः प्ररूप (ग) और (घ) में होंगे:
- परन्तु १ स्रक्तूबर, १६५८ के स्रव्यवहित पूर्व यथाप्रवृत प्ररूप (ग) में की घोषणा भी उपयुक्त रूपभेदों के सहित ३० सितम्बर, १६५६ तक प्रयुक्त की जा सकेगी।
- (२) धारा ६ की उपधारा (२) में निर्दिष्ट प्रमारापत्र यथास्थिति प्ररूप 'ङ १' या 'ङ २' में होंगे।

वस्तुत्रों का कुछ प्रयोजनों के लिए विहित किया जाना

१३. धारा ८ की उपधारा (३) के खंड (ख) में निर्दिष्ट वस्तुएं जिनको कि रजिस्ट्रीकृत व्यापारी खरीद सकेगा वे वस्तुएं होंगी जो कि उसके द्वारा कच्ची मामग्री, ग्रिभिमंस्करण, सामग्री, यंत्र-कलाप, संयंत्र, माज-मामान, ग्रीज़ार, स्टोर्म, ग्रितिरिक्त पुर्जे, उपांग, इंधन या चिकना करने वाले पदार्थ के रूप में विक्रयार्थ वस्तुग्रों के ग्रिभिनिर्माण या ग्रिभिमंस्करण में या खनन में या बिजली या किसी ग्रन्य प्रकार की शक्ति के जनन या वितरण में प्रयुक्त किये जाने के लिए ग्राशियत हैं।

केन्द्रीय विकय कर (रजिस्ट्रोकरएा ग्रौर व्यापारावर्त) नियम, १६५७ प्ररूप 'क'

(धारा ३ देखिए)

केन्द्रीय-विकय कर ग्रीधनियम, १६५६ की धारा ७(१), ७(२) के ग्रमीन रजिस्ट्रीकरएा

का ग्रावेदन

*•••••••• को,का पुत्र, मैं.....

‡...... के राज्य के भीतर‡‡..... के रूप में ज्ञात कारबार करने वाले व्यापारी की ग्रोर से केन्द्रीय विकय कर ग्रिधिनियम, १९५६ की धारा ७ (१), ७ (२) के ग्रियीन रिजस्ट्रीकरण के प्रमारणपत्र के लिए एतद्द्वारा ग्रावेदन करता हूं ग्रीर इस प्रयोजन के लिए निम्नलिखित विशिष्टियां देता हूं:—

- उक्त राज्य में व्यापारी के कारबार की बाबत प्रबन्ध समझे जाने वाले व्यक्ति का नाम।
- उस व्यक्ति की हैसियत या उसका सम्बन्ध जो ऐसा भ्रावेदन करता है (उदाहरएगार्थ प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्वधारी, निदेशक, राजकीय कारबार का भार-साधक पदाधिकारी)।
- उक्त राज्य में के कारबार के प्रमुख स्थान का नाम ग्रीर उसका पता।

^{*}यहां ऋधिनियम की धारा ७ (१) के ऋधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये साधारए। या विशेष ऋदिश में उल्लिखित प्राधिकारी लिख दीजिए।

[‡]यहां उस राज्य का नाम लिख दीजिए जिस्में रजिस्ट्रीकरएा का ग्रावेंदन किया जाता है।

^{‡‡}यहां वह नाम भ्रौर नामादि लिख दीजिए जिसके ग्रधीन कारबार किया जाता है।

- ऐसे उक्त राज्य में के, स्थान का श्रन्य स्थानों के नाम जिन में कारबार किया जाता है ग्रीर ऐसे प्रत्येक स्थान का पता।
- ऐसे उक्त राज्य में के भांडागारों की पूर्ण सूची जिनमें कारबार सम्बन्धी वस्तुएं ¥. भांडागारित की जाती हैं ग्रौर ऐसे प्रत्येक भांडागार का पता।
- ऐसे प्रत्येक़ स्थान के पते के सहित ग्रन्य राज्यों में से प्रत्येक में के कारबार के स्थानों की मूची (यदि कारबार के ऐसे किसी स्थान की बाबत केन्द्रीय विकय-कर ग्रिधिनियम, १९५६ के म्रधीन रजिस्ट्रीकररा का पृथक् म्रावेदन दिया गया है या पृथक् रजिस्ट्रीकररा ग्रभिप्राप्त कर लिया गया है तो उसकी विशिष्टियां व्योरेसहित दी जानी चाहिए ।
- *कारबार:--19. सम्पूर्णत: म्ख्यत:
 - ग्रंशत: श्रंशत:

म्रंशत:

- किसी तत्समय प्रवृत्त विधि के ग्रिथीन जारी किये गये व्यापारी के रिजिस्ट्रीकरण, ग्रनुज्ञप्ति, ग्रनुज्ञा इत्यादि सम्बन्धी विशिष्टियां ।
- हम **....के सदस्य हैं।
- १०. हम ग्रपने लेखा.....भाषा भ्रौर.....लिपि में रखते हैं।
- ११. ***उनकी ग्राय, पिता का नाम, इत्यादि के सहित ऐसे कारबार के स्वत्वधारी/कारबार के भागीदारों/सब व्यक्तियों के, जो कारबार में कोई हित रखते है, नाम ग्रौर पते :

								****	स्तम्भ	८ में का
क्रम	पूरा	पिता का		कारबार	वर्तमान	स्थायी	हस्ताक्षर	हस्ता	भर श्र	भप्रमाणित
संख्या	नाम	पति का	भ्राय्	में के हित	पता	पता				साक्षी का
		नाम	·	का विस्तार				पता	स्रौर	हस्ताक्षर
१	7	3	X	x	દ્	9	5			3

^{*} यहां लिख दीजिए कि क्या कारबार सम्पुर्गत: कृषि, श्रौद्यानिकी, खनन, श्रभिनिर्माण शोक वितरएा, फुटकर वितरएा, संविदा कार्य या ग्राहार-प्रदान इत्यादि या उत्तमें से दो या दो से अधिक की कोई संहति है।

^{**}यहां उस वाणिज्य मण्डल, व्यापार संस्था या वाणिज्यिक निकाय का नाम लिख दीजिए जिसका कि व्यापारी सदस्य है।

^{***}यदि म्रावेदक समवाय म्रधिनियम, १६५६ (१६५६ का १) या किसी म्रन्य विधि के मधीन निगमित समवाय न हो तो भरा जायेगा ।

^{****}मम्पृक्त व्यक्तियों में से प्रत्येक के हस्ताक्षेर ग्रभिप्राप्त ग्रौर ग्रभिप्रमाणित किये जाने चाहिये ।

१९७ राजपत्र, हिमाचल प्रदश, 10 लिवस्बर, 1939/27 माह्रवर, 1001 - 143
१२. वह कारबार जिसकी बाबत यह श्रावेदन किया जाता है पहले को ग्रारम्भ किया गया था ।
•
१३. ग्रन्तर्राज्यिक व्यापार के ग्रनुकमों का प्रथम विकयको किया गया
था ।
१४. *हमकैलैन्डर का ग्रनुपालन करते हैं ग्रीर लेखा प्रयोजनों
के लिए हमारा वर्षदिन
**(ग्रंग्रेजी तारीख)केर्दन (भाग्तीय तारीख)
मेदिन (ग्रंग्रेजी तारीख/भारतीय
तारीख) तक होता है ।
१५. हम प्रत्येक मास/तिमासा/छमाहो/वर्ष की समाप्ति की तारीख तक श्रपना
विकय खाता पूरा करते हैं ।
६. ***निम्नलिखित वस्तुएं या वर्ग की वस्तुएं :
(क) पुर्नीवक्रय के लिए ।
(ख) विकयार्थ वस्तुग्रों के ग्रिभिनिर्माण या ग्रिभिसंस्करण में के उपयोग के
लिए
(ग) खनन में के उपयोग के लिए
(घ) बिजली या किसी श्रन्य प्रकार की शक्ति के जनन या वितरण में के
उपयोग के लिए
(ङ) विकयार्थ/पुर्नाविकयार्थ वस्तुग्रों के वेप्टन में के उपयोग के लिए
ग्रन्तर्राज्यिक व्यापार या वाणिज्य के ग्रनुक्रम में व्यापारी द्वारा खरीदी गई
हैं ।
•
१७. हम निम्नलिखित वर्गों की वस्तुओं का ग्रभिनिर्माण या ग्रभिसंस्करण करते हैं

γ

र्षः हम निम्नालाखत वंगा का वस्तुश्रा का श्रामानमाण या श्रामसस्करण करत ह या उन्हें खनन में निकालते हैं या निम्नलिखित स्वरूप की शक्ति का जनन या वितरण करते हैं ग्रर्थात्......

१ द. उपरोक्त कथन मेरे पूर्ण ज्ञान ग्रौर विश्वासानुसार सही हैं।

ग्रावेदक का पूरा नाम.....

आवदक का पूरा गाम.....

^{*}यहां अंग्रेजी बंगाली, फसली, हिजरी, मारवाड़ी, या अन्य कैलैन्डर लिख दीजिए जिसका अनुपालन किया जाता है ।

^{**}इन प्रविष्टियों को भरने में उन व्यापारियों को, जो अंग्रेजी कैलेंडर का अनुपालन नहीं करते हैं, वे तारीखें जो उन के अपने कैलैन्डर के अनुसार हों, और अंग्रेजी कैलैन्डर की तत्स्थानी तारीख, देना चाहिए ।

^{***}यहां प्रत्येक प्रवर्ग के सामने वस्तुष्रों या वर्ग की वस्तुष्रों को नामांकित कीजिए । जो प्रभाग या कंडिका लागू न हो उसे काट दीजिए ।

केन्द्रीय विक्रय-कर (रजिस्ट्रीकरण ग्रौर व्यापारावर्त) नियम, १६५७ प्ररूप ''ख''

[नियम १५ (१) देखिए] रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

संख्या.....(केन्द्रीय)

यह प्रमाणित किया जाता है कि ^{*}......जिसका.....जिसका......राज्य के भीतर वाला कारबार का प्रमुख स्थानमें ग्रास्थित है केन्द्रीय

विकय-कर ग्रिधिनियम, १६५६ की धारा ७(१)/७(२) के ग्रिधीन व्यापारी के रूप में रिजस्ट्रीकृत कर लिया गया है ।

कारबारः

पूर्णतः**
मुख्यतः
ग्रंशतः
ग्रंशतः

ग्रंशत:

1

उक्त ग्रिधिनियम की धारा द्र की उपधाराएं (१) ग्रौर (३) के प्रयोजनों के लिए उल्लिखित वर्ग/वर्गों की वस्तुएं निम्निलिखित हैं ग्रौर ग्रन्तर्राज्यिक व्यापार के ग्रनुकम में व्यापारी को इन वस्तुग्रों के विक्रय उक्त धारा की उपधारा (४) के उपबन्धों के ग्रधीन रहते हुए उग उपधारा में उल्लिखित दरों के ग्रनुसार कराधेय होंगे ।

- (क) पुनर्विकय के लिए
- (ख) विकयार्थ वस्तुग्रों के म्रभिनिर्माण या म्रभिसंस्करण में के उपयोग के लिए (ग) खनन में के उपयोग के लिए
- (घ) बिजली या किसी अन्य प्रकार की शक्ति के जनन या वितरण में के उपयोग के लिए
- . (ङ) विक्रयार्थ पुर्निवक्रयार्थ वस्तुओं क वेष्टन में के उपयोग के लिए।

व्यापारी निम्नलिखित वर्गों की वस्तुश्रों का ग्रिभिनिर्माण या ग्रिभिसंस्कारण करता है या खनन में निकालता है या निम्नलिखित स्वरूप की शक्ति का खनन या वितरण करता है, ग्रर्थात्

व्यापारी का वर्ष लेखा के प्रयोजनों के लिए......के.....के.......के......दिन से

*यहां वह नाम ग्रौर नामादि लिख दीजिए जिसके ग्रधीन कारबार चलाया जाता है।

^{**}यहां लिख दीजिए कि क्या कारबार सम्पूर्णतः कृषि, ग्रौद्यानिकी, खनन, ग्रभिनिर्माण, थोक वितरण, फुटकर वितरण, संविदाकार्य या ग्राहार प्रदान इत्यादि या उनर्में से दो या दो से ग्रथिक संहति है । जो लागू नहीं है उसे काट दीजिए।

व्यापारी का कारबार का कोई ग्रतिरिक्त स्थान नहीं है। उसके कारबार के ग्रतिरिक्त स्थान हैं जो कि नीचे कथित हैं--

(क) रजिस्ट्रीकरण वाले राज्य में

(ख) ग्रन्य राज्यों में

व्यापारी के भांडागार रजिस्ट्रीकरण वाले राज्य के भीतर निम्नलिखित स्थानों में हैं--

(8)

(२)

(3)

यह प्रमाणपत्रमे तब तक, जब तक कि यह अपखंडित न कर दिया

. जाय, मान्य है ।

हस्ताक्षरित.....

(अधिसूचित प्राधिकारी) तारीख.....

(मुद्रा)

प्रति पणं	हिपत्र	म्ल प्रति
केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरता श्रीर	केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरता ज्रो र	केन्द्रीय विकय कर (रजिस्ट्रीकरण भीर
व्यापारावते) नियम, १६५७	व्यापारावते) नियम, १६५७	स्यापाराबते) नियम, १६५७
प्ररूप "ग" घोषणा का प्ररूप	प्ररूप "ग" घोषणा का प्ररूप	प्ररूप "ग" घोषणा का प्ररूप टिनमा ७२(०) डेस्टन्से
।	ाग्यम १९(१) यालाम	रिता १९(१) राजप्र
देने बाले राज्य का नाम	देने बालो राज्य का नाम	देने वाले राज्य का नाम
देने बाला कार्यालय	देने बाला कार्यालय	देने वाला कार्यालय
देने की तारीख	देने की तारीख	देने की तारीख
रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संख्या सहित उस केता व्यापारी का नाम जिसको दिया गया है। बह तारीख जब से कि रजिस्ट्रीकरण मान्य है	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की संख्या के सहित उस केता व्यापारी का नाम जिसको दिया गया है। वह तारीख जब से कि रजिस्ट्रीकरण	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संख्या के सहित उस केता घ्यापारी का नाम जिसको दिया गया है। वह तारीख जब से कि रजिस्ट्रीकरण
कम संख्यादेने वाले प्राधिकारी की मृद्रा।	मान्य है	मान्य है
*(विकेता) को	* (विकेता) को	
यह प्रमाणित है कि	यह प्रमाणित है कि	यह प्रमाणित है कि

केता व्यापारी का पूरा नाम श्रौर पता.....

तारीख.....

तारीख बाले रजिस्ट्रीकरण पत्र के अन्तर्गत है

शिषत के जनन/वितरण में उपयोग के विश्रय/

शिक्ति के जनन/वितरत में उपयोग के विकय/

शक्ति के जनन/वितरण में उपयोग के/विकय/पुनविकय

खनन में के उपयोग के,

उपयोग के,

के लिए वस्तुओं के बेंप्टन के लिए है।

खनन में के उपयोग के

पुनविक्य के लिए वस्तुओं के बेंटन के लिए हैं।

No.	‡‡ृहमारे संख्यातारीख वाले क्रयादेश द्वारा ग्रादिष्ट नीचे लिखे गये बिल/ कैश मीमो के ग्रनुसार ग्राप से कीत	ग्रापकेसंस्यातारीख वाले चालान के ग्रधीन प्रदत्त भादिष्ट वस्तुएं	‡‡पुनर्विकय के, विकयार्थ वस्तुय्रों के श्रिभिनिर्माण/ग्रभिनंस्करण	में उपयोग के, खनन में के उपयोग के
1	‡‡हमारेसंख्यातारीख वाले क्यादेश द्वारा ब्रादिष्ट नीचे लिखे गये बिल/ कैंश मीमों के अनुसार ब्राप से कीत	श्राप के संस्था तारीख वाले चालान के ग्रधीन प्रदत्त ग्रादिष्ट वस्तुएं	‡‡पुनिविक्रय के, विक्रयार्थ वस्तुय्रों के ग्राभिनिर्माण/ग्रभिसंस्करण	में उपयोग के, खनन में के उपयोग के

ग्राप के.....संस्यासंस्य

के अनुसार आप के कीत

वाले चालान के श्रधीन प्रदत्त श्रादिष्ट बस्तुएं

‡‡पुनविकय के,

7|4

विकयार्थ वस्तुग्रों के ग्रभिनिमणि/ग्रभिसंस्करण

्री दृहमारेसंख्यातारीख वाले क्यादेश द्वारा आदिष्ट नीचे लिखे गये बिल/कैश मीमो पुनविक्य के लिए बस्तुओं के वेष्टन के लिए हैं मौर केन्द्रीय विकय कर म्रधिनियम, १६५६

मौर केन्द्रीय विकया कर अधिनियम, १६५६ के

मधीन दिये गये मेरे/हमारे संस्या.....

ग्रौर केन्द्रीय विकय कर ग्रधिनियम, १९५६ के ब्रधीन दिये गये मेरे/हमारे संख्या..... के ब्रधीन किये गये मेरे/हमारे संख्या.....

केता व्यापारी का पूरा नाम श्रौर पतः..... तारीख वाले रजिस्ट्रीकरण पत्र के ग्रन्तर्गत हैं। तारीख वाले रजिस्ट्रीकरण पत्र के ग्रन्तर्गत हैं।

(घोषणा को हस्ताक्षरित करने बाले तारीख..... न्नेता ध्यापारी का पूरा नाम भौर पता..... (घोषणा को हस्ताक्षरित करने वाले

व्यक्ति के हस्ताक्षर भौर उसकी हैसियत)

(घोषणा को हस्ताक्षरित करने वाले

व्यक्ति के हस्ताक्षर भ्रौर उसकी

व्यक्ति के हस्ताक्षर और उसकी

हैसियत)

हैसियत

150	ग्रसाधाररा	राजपत्र,	हिमाचल	प्रदेश,	18	सितम्बर,	1959/27	भाइपद,	1881
#विल/कैश मीमो की विशिष्टियां तारीखमंस्या	रकम प्रौर *राज्य के नाम के सहित विकेता का नाम थीर पता एत। क्रियणः समचित राज्य सरकार द्वारा धारा १३	2	दी जाए । <u>‡</u> ‡को भी लागु नहीं है उसे काट दीजिए ।	मृत प्रति	केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरसा ख्रौर	व्यापारावती नियम, १६५७	सरकारी कथ करने के प्रमाराषत्र का प्ररूप [नियम १२ (१) देखिए]	की (रजिस्ट्रोक्डत ब्यापारी न होते हुए सरकार की स्रोर से क्रय करते ममय प्रयोग में लाया जाय)।	केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार का नाम
	ं नाम भौर लिया जाय)।	-	F. -		ग और	2	प्रस्य	सरकार ग जाय)	王

प्रकृत ,हा	X X X X X X X X X X X X X X X X X X X
व्यापारावते) नियम, १६५।	न्यापारावती) नियम, १६५७
द्वितीय प्रति (रजिस्ट्रीकर्या	प्रति पर्ण केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरण खौर
‡‡जो भी लागू नहीं है उसे काट दीजिए 	ं ग्रंजो भी लागू नहीं है उसे काट दीजिए।
पता (टिप्पणः विकेता व्यापारी द्वारा रखे ि	(टिप्पणः केता व्यापारी द्वारा रख लिया जाये)।
रकम। शराज्यकोनामेको सहित विकेता का	रकम *राज्य के नाम के सहित विकेता का नाम ग्रौर पता
तारीखसंस्या	तारोखसंस्या
*बिल/कैश मीमों की विशिष्टियां	#बिल/कंश मीमों की विशिषिटयां

ग और केन्द्रीय सरकारी क्रय करने के प्रमासस्य का प्ररूप [नियम १२(१) देखिए] सरकारी कय करने के प्रमासायत्र का प्ररूप

देने वाले मंत्रालय/विभाग का नाम.....

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार का नाम

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार का नाम..... देन वाले मंत्रालय/विभाग का नाम.....

देने वाले मंत्रालय/विभाग का नाम.....

(रजिस्ट्रोक्टत व्यापारी न होते हुए सरकार की

(रजिस्ट्रोक्डत व्यापारी न होते हुए सरकार की म्रोर

से कय करते समय प्रयोग में लाया जाय)

[मियम १२(१) देखिए]

स्रोर से कय करते समय प्रयोग में लाया जाय)

देने वाले कार्यालय का नाम श्रौर पता	देने वाले कार्यालय का नाम श्रौर पता	देने बाले कार्योलय का नाम श्रोर पता
* (विकेता) को	* (विन्तेता) को	*(विकेता) को
यह प्रमाणित है कि		यह प्रमाणित है कि
हमारेसंख्यातारीख बाले	हमारेसंख्यातारीख वाले	हमारेसंख्यातारीख वालें क्यादेश
कयादेश में आदिट	ऋयादेश में ग्रादिष्ट	में आदिष्ट
श्राप से नीचे लिखे बिल/कैंश मीमों के श्रनुसार खरीदी	श्राप से नीचे लिखे बिल/कैश मीमो के श्रनुसार	ग्राप से नीचे लिखे बिल/कैश मीमो के प्रनुसार
- for	खरीदी गई।	खरीदी गई।
<u> प्रापकेसंख्यातारीख वाले चालान के ग्रधीन</u>	श्रापकेसंख्यातारीख वाले चालान के	श्रापके संस्यातारीख वाले
प्रदत्त	के ग्रधीन प्रदत्त	चालान के ग्रधीन प्रदत
वस्तुएंसरकार के द्वारा या निमित्त खरीदी गई हैं।	वस्तुएंसरकार के द्वारा या निमित्त खरीदी	वस्तुएंसरकार के द्वारा या निमित्त खरीदी
	गई है।	मक्रमः ।
तारीख हस्ताक्षर	तारीख हस्ताक्षर	तारीखहस्ताक्षर
सरकार के प्राधिकृत पदाधिकारी	सरकार के प्राधिकृत	सरकार के प्राधिकृत पदाधिकारी
का पदाभिधात।	पदाधिकारी का पदाभिधान।	का पदामिधान ।
सरकार के सम्यक्तः प्राथिकृत पदाधिकारी की मुद्रा	सरकार के सम्यक्तः प्राधिकृत पदाधिकारी की मृद्रा	सरकार के सम्यक्तः प्राधिकृत पदाधिकारी की मुद्रा
*विल/कैश मेमो की विशिरिटयां	*बिल/कैश मेमो की विशिष्टियां	*बिल/कैश मेमो की विशिष्टियां
तारीखसंख्यारकम राज्य के	तारीखसंख्या रकम राज्य	तारीख संस्या रकम राज्य
नाम के सिहित केता का नाम श्रौर पता	के नाम के सहित केता का नाम भ्रौर पता	के नाम के सहित केता का नाम और पता
**जो भी लागू नहीं है उसे काट दीजिए।	**जो भी लागू नहीं है उसे काट दीजिए।	**जो भी लागू नही उसे काट दीजिए।
टिप्पण:प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा रख लिया जाये ।	टिप्पण:प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा रख लिया	टिष्पण: समुचित राज्य सरकार द्वारा
	जाये ।	धारा १३(३) के श्रधीन बनाये
		गये नियमों के प्रनुकूल विहित

३(क) के अधीन ग्राना है, उम विक्रेना द्वारा, (ii) उस अवस्था में, जिसमें विकय धारा ३ (ख) के प्रधीन ग्राता है, उस व्यापानी द्वाना, (i) उस म्रवस्था में, जिसमें विकय थारा जो वस्तुओं के एक राज्य से दूमरे राज्य को चालान धारा ६ की उपधारा (२) के म्राधीन प्रमारापत्र जिमने वस्तुओं का प्रथम चालान किया हो या (रजिस्ट्रीकरण और ज्यापारावर्त) नियम, १६५७ [नियम १२(२) देखिए] केन्द्रीय बिक्रय कर **...**[≥, b≥k मूल प्रति गुरुष का नाम श्रम मख्या (ख) के ब्रधीन ब्राता है, उस व्यापारी द्वारा, जो (ii) उस श्रवस्था में, जिसमें विकय थारा ३ के प्रधीन घाता है, उस विकेता द्वारा, जिसमे धारा ६ की उपधारा (२) के ब्राधीन प्रमारापवत्र (i) उस श्रवस्था में, जिसमें विकय धारा ३ (π) (रजिस्ट्रीकरण और व्यापारावर्त) [नियम १२(२) देखिए] वस्तुग्रों का प्रथम चालान किया हो या केन्द्रीय विकय कर नियम, १६५७ द्विपत्रक राज्य का नाम कम संख्या (ii) उस प्रवस्था में, जिसमें विकय धारा ३ (ख) के (i) उस ग्रवस्था में, जिसमें विकय थारा ३ (π) के ग्रधीन म्राता है, उस विकेता द्वारा, जिसने वस्तुम्रों का प्रथम

धारा ६ की उपधारा (२)के म्रथीन प्रमारापत्र

[नियम १२(२) बेब्बिए]

चालान किया हो या

(रजिस्ट्रीकरण् और व्यापारावते)

नियम, १६५७

प्ररूप "इ.]"

राज्य का नाम

केन्द्रीय विकय कर

मित पर्यं

वस्तुओं के एक राज्य से दूसरे राज्य को चालान के श्रभ्यन्तर प्रथम श्रन्तर्गिज्यक विकय करता मधीन माता है, उस व्यापारी द्वारा, जो बस्तुम्रों के एक राज्य से दूसरे राज्य की चालान के अभ्यन्तर प्रथम मन्तर्रिज्यक विकय करता है, (दो प्रतियों में) दिया जाये।

(क) बेचने वाले व्यापारी का नाम..... (दो प्रतियों में) दिया जाय ।

के अभ्यन्तर, प्रथम श्रन्तर्गिज्यक विक्य करता है,

(ii) (राज्य के सहित) पता......

(f a) (i) खरीदने वाले व्यापारी का नाम..... (ii) (राज्य के सिहत) पता.....

(क) बेचने वाले व्यापारी का नाम......

(क) बेचने वाले व्यापारी का नाम..... (a) (i) खरीदने वाले व्यापारी का नाम.....

(ii) (राज्य के सहित) पता.....

है, (दो प्रतियों में) दिया जाये ।

 $(ar{a})$ (i) बरीदने वाले ज्यापारी का नाम.....

विशिष्टियां अपर दी गई है, वस्तुओं के बिक्य पर

कि मैं/हम अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रोक्डित हूं/हैं

कि मैं/हम श्रधिनियम के श्रधीन, रजिस्ट्रोक़न हूं/हैं श्रौर....राज्य में का रजिस्ट्रीकरण पत्र मंख्या.....

मैं/हम, ऊपर वर्णित बेचने वाला/बेचने वाले व्यापारी,

प्रमाणित करता है/करते हैं

मौरराज्य में का रजिस्ट्रोकरण पत्र मंख्या.....तारीख वाला मंधारण करता हूं/करते है। मै/हम यह प्रमाणित करता ह/करते हैं कि

मैं/हम, ऊपर वर्षित बेचने बाला/बचने वाले

व्यापारी, प्रमाणिन करता हूं/करते हैं

प्रथिनियम के प्रथीन कर.....राज्य के समुचित

विशिष्टियां ऊपर दी गई हैं, वस्तुत्रों के विकय पर

विकय पर प्रधिनियम के ग्रधीन कर.....राज्य के

प्रमाणित करना हूं/करते हैं कि मैं/हम उन दस्तावेजों के भन्तर्गत जिनकी विशिष्टियां ऊपर दी गई*हैं,* बस्तुक्रों के

तारीख वाला संधारण करता हू/करते हैं। मै/हम यह

मैं/हम उन दस्तावेओं के ग्रन्तर्गत जिनकी

7	प्रसाध	भार	गर	जप	त्र, १
(i) उस स्थान ब्रौर राज्य का नाम	जिसमें चालान ब्रारम्भ हुआ	ii) उस स्थान ब्रौर राज्य का नाम	जिसको वस्तुएं हस्ताक्षरकर्ता द्वारा	प्रेषित की गई हैं	(i) वीजक संख्या ग्रौर तारीख

(म) (i) उस स्थान भीर रा (\mathfrak{n}) (i) उस स्थान घौर राज्य का नाम जिममें चालान (\mathfrak{n}) (i) उस स्थान घौर राज्य का नाम जिम को बस्तुएं हस्ताक्षरकर्ता द्वारा प्रेषित की गई हैं में चालान ग्रारम्भ हुग्रा..... (ii) उस स्थान ग्रौर राज्य का नाम जिस

(ii) उस स्थान ब्रौर राज्य का नाम जिस को बस्तुएं

हस्ताक्षरकता द्वारा प्रेषित की गई हैं

(ঘ) (f e) (i) वीजक संस्था भ्रौर तारीख.....

(ii) वस्तुग्रों का ग्रभिवर्णन, उनकी मात्रा देने वाले राज्य के नाम के सहित खरीदने वाले व्यापारी से प्राप्त प्ररूप "ग" वाली म्रौर उनका मूल्य.....

(ii) वस्तुग्रों का ग्रभिवणंन, उनकी

मात्रा ग्रौर उनका मूल्य.....

घोषणा की संख्या ग्रीरतारीख..... (iii)(iv) रेल रसीद (बिलटी) लारी का (ट्रिपशीट) या (घ) (i) बीजक मंस्या श्रौर तारीख...... (iii) देने वाले गज्य के नाम के महित खरीदने वाले (ii) बस्तुग्रों का ग्रिभवर्णन, उनकी मात्रा श्रौर उनका व्यापारी से प्राप्त प्ररूप 'ग' बाली घोषणा की

(iv)(iii)(ट्रिपशीट) या परिवहन के श्रन्य माथनों के किसी ग्रन्य दस्तावेज की संख्या मीर तारीख..... (i
u) रेल रसीद (बिलटी) नारी

परिवहन के ग्रन्य माथनों के किमी ग्रन्य दस्तावेज

की संख्या घौर तारीख

मंख्या भीर तारीख

मृत्य

प्रदेश, 18 मितम्बर, 1959/27 भाद्रपद, (ट्रिपशोट) या परिवहन के श्रन्य साधनों के किसी ग्रन्य दस्तावेज की संख्या ग्रौर मैं/हम, ऊपर वर्णित बेचने वाला/बेचने वाले ग्रौर.....राज्य में का रजिस्ट्रोकरण पत्र मंख्या....तारीख वाला संधारण करता हे/करते देने बाले राज्य के नाम के सहित खरीदने वाले व्यापारी से प्राप्त प्ररूप "ग" वाली घोषणा की मंख्या श्रौर तारीख..... कि मैं/हम श्रधिनियम के ब्रधीन रजिस्ट्रोक़त हूं/हैं रेल रमीद (बिलटी) लारी नारोख..... व्यापारी, प्रमाणित करता हूं/करते हैं

1881 हैं । मैं/हम उन दस्तावजों के श्रन्तगंत जिनकी

154	असावार र ग	राजपत्र, हिमापल	अपरा,	10 140+44, 1939/21	माद्रपद, 1001
विकय कर प्राधिकारी को चुका द्गा/चुका देंग/दे चुका हू/दे चुके हैं।	हस्ताक्षर	स्थान व्यक्ति की हैसियत या मम्बन्ध (उदारहरणार्थ प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्व- धारी, निदेशक, सरकारी कारबार का भारसाधक पदाधिकारी)		तारीखपता	डिप्पणः ममुचित राज्य सरकार द्वारा धारा १३(३) के अभीन बनाये गये नियमों के अनुकूल विहित प्राधिकारी को दीजाय ।
श्रधिनियम के श्रधीन करराज्य के समुचित विकय कर प्राधिकारी को चुका द्गा/चुका दॅगे/दे चुका हूं/दे चुके हैं।	हस्ताक्षर	स्थान व्यक्तिकी हैसियत या सम्बन्ध (उदाहरणार्थ प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्व- धारी, निदेशक, सरकारी कारबार का भारसाधक पदाधिकारी)		तारीखपतापता (राज्य के नाम के महित)	टिप्पणः प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले व्यापारी द्वारा टिप्पणः रख ली जाये ।
समुचित विकय कर प्राधिकारी को चुका दूंगा/चुका दुंग/दे चुका हूं/दे चुके हैं ।	हस्ताक्षर	स्थान (उदाहरणार्थे प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्ब- धारी, निदेशक, सरकारी कारबार का भारसाधक पदाधिकारी)		तारीखपतापता (राज्य के नाम के सहित)	टिप्पण: प्रमाणपत्र 'देने वाले व्यापारी द्वारा रख ली जाय ।

[धारा ६(२)(क) में निर्दिष्ट विक्रय क्रम में के

राज्य का नाम

राज्य का नाम

राज्य का नाम क्रम संख्या

कम संख्या

[बारा ६(२)(क) में निर्दिष्ट विकय कम में के प्रथम

द्वारा (दो प्रतियों में) दिया जाये]।

क्रम संख्या

मूल प्रा त	केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरण और	न्यापारावते) नियम, १६५७	11 X 17	प्रहत ाड़ा 🖺	धारा ६ की उपधारा (2) के ग्रधीन प्रमाराषत्र	[नियम, १२(२) देखिए]
द्विपत्रक	केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरण और	व्यापारावर्ते) नियम, १६४७		प्रकृष "इ.]]"	धारा ६ की उपधारा (२) के प्रथीन प्रमासपत्र	[नियम, १२(२) देखिए]
प्रति पर्स	केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरण और	व्यापारावती) नियम, १९५७		्रा । अध्य अध्य । अध्य । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	धारा ६ की उपधारा (२) के ग्रधीन प्रमारापत्र	[नियम, १२(२) देखिए]

[धारा ६(२)(क) में निर्दिष्ट विकय कम में के ६(२)(ख) में निर्दिष्ट विकय कम में के द्वितीय प्रथम या पश्चात्वती हस्तान्तरक द्वारा या धारा या पश्चात्वर्ती हस्तान्तरक द्वारा या धारा ६(२)(ख) में

प्रथम या पश्चात्वर्ती हस्तान्तरक द्वारा या धारा

६ (२) (ख) में निर्दिष्ट विकय कम में के द्वितीय या पश्चात्वर्ती हस्तान्तरक द्वारा (दो प्रतियों में) दिया जाये 🕽 । **€** वस्तुभ्रों के हक्क दस्तावेजों के हस्तान्तरण या पश्चात्वर्ती हस्तान्तरक द्वारा (दो प्रतियों में) दिया जाये 📙 **₩** (क) वस्तुओं के हक्क दस्तावेजों के हस्तान्तरण द्वारा निर्दिष्ट विकय कम में के द्वितीय था पश्चात्वती हस्तान्तरक

<u>(ब</u> (\mathbf{a}) (i) खरीदने वाले व्यापारी का नाम..... (ii) पता (राज्य के नाम के सहित)...... (ख) (i) खरीदने वाले व्यापारी का नाम....(ii) पता (राज्य के नाम के सहित).....

द्वारा बेचने वाले व्यापारी का नाम.....

द्वारा बेचने वाले व्यापारी का नाम.....

बेचने वाले व्यापारी का नाम.....

वस्तुय्रों के हक्क दस्तावेजों के हस्तान्तरण

 (\ddot{n}) पता (राज्य के नाम के सहित<math>)......

(i) खरीदने वाले व्यापारी का नाम.....

 (π) (i) उस स्थान थ्रौर राज्य का नाम जिसमें (π) (i) उस स्थान श्रौर राज्य का नाम जिसमें (π) (i) उस स्थान और राज्य का नाम जिसमें चालान

प्रीपत की गई है..... उस स्थान श्रौर राज्य का नाम जिसको वस्तू (ii)

ग्रारम्भ हुग्रा....

नाम जिसको वस्तु प्रेषित की गई है......

155

चालान श्रारम्भ हुमा.....

(ii) उस स्थान भ्रौर राज्य का

उस स्थान श्रौर राज्य का नाम जिस

(ii)

चालान श्रारम्भ हुभा.....

को वस्तु प्रेषित की गई है.....

.....मैं हम बेचने वाला/बाले

.ग्रौर तारीख.....मै/हम बेचने वाला/वाले माथनों के किमी यन्य दस्तावेज की मंख्या

व्यापारी प्रमाणित करता हूं/करते हैं कि....

व्यापारी प्रमाणित करता है/करते

কি....

(क) मैं/हम ग्रधिनियम के ग्रथीन रजिस्ट्रीकुन

हूं/हैं स्रौर राज्य.....में का रजिस्ट्रोकर्षा प्रमाणपत्र मस्या..... ता०....मंत्रारण

ग्रन्य दस्तावेंज की मंख्या ग्रौर तारीख

(iv) रेल रमीद(बिलटी)लारी का (ट्रिपशीट) या परिवाहन के ग्रन्य माथनों के किमी

(i
u) रेल रसीद (बिलटी) नारी का (ट्रिपशीट) या परिवाहन के ग्रन्य

तारोख.....

तारीख.....

156

खरीदने वाले व्यापारी से प्राप्त प्ररूप

'ग' वाले घोषणाषत्र की मख्या ग्रौर

(iiii) देने वाल राज्य के नाम के महिन

देने वाले राज्य के नाम के सहित खरीदने वाले व्यापारी से प्राप्त प्ररूप 'ग' वाले घोषणा पत्र की संख्या स्रौर

(iii)

खरीदने वाले

(ii) बस्तुग्रों का ग्रभिवर्णन, उनकी मात्रा

म्रौर उनका

श्रीर उनका मूल्य

(घ) (i) बीजक मंख्या भ्रौर तारीख

(घ) (і) बीजक मंख्या ब्रौर तारीख......

(ii) वस्तुत्रों का ग्रभिवर्णन, उनकी मात्रा

म्रीर उनका मूल्य

व्यापारी से प्राप्त प्ररूप 'ग' वाले घोषणा		d	13116	परिवहन के श्रन्य साधनों के किसी श्रन्य दस्तावेज	,
वाल		<u>,</u>	<u>u</u> 	. भ्रन्य द	,
म्, च	को संख्या और तारीख	4	रल रसाद (ाबलटा) लारा का (ाट्पशाट)	के किसी	1
न प्रह	गारीख	í	د (ای	साधनों	•
संप्रा	प भौर ह	į.	<u>ਬ</u> ਭ	के ग्रन्य	
व्यापारी	की संस्य	ď	रसाद	रवहन ह	4
10170		4	ξ	4	•

(2	विज	inc/		श्रम्
(iv) रेल रसीद (बिलटी) लारी का (ट्रिपशीट)	परिवहन के ग्रन्य साधनों के किसी ग्रन्य दस्तावेज संख्या ग्रौर तारीखमै/हम बेचने वाः	वाले व्यापारी प्रमाणित करता हूं/करते हैं		(क) मैं/हम प्रथिनियम के प्रथीन रजिस्ट्रीकृत हूं/। प्रौरराज्य में का रजिस्ट्रीकरण प्रमासापड
भ	न्सी श्र /हम	रता		रजिस् किरण
लारी	नें के नि में	णत क		ग्रधीन रजिस्ट्रं
ानटी)	ग साधन गारीख.	प्रमागि	į	में भ
हि	के ग्रन्थ रि	ापारी		नियम ज्य में
रसी	रेवहन स्याध्या	લ _ે શ		म्राध रा
्रे स्व	में च	ज	į	मैं/हम ग्रौ र.
į,				(क)

(क) मैं/हम ग्रधिनियम के ग्रधीन रजिस्ट्रोक़त हूं/	हैं सौर राज्यमें का रजिस्ट्रोकरण	प्रमाणपत्र मंख्याता०मधारण	ā (' - '
रजिस्ट्रोकुत हं/हैं	करण प्रमारगुपत्र	ल्याता०मंधारण करता हं/करते हैं	
, प्रधीन	ा रजिस्ट्री	मंधारण	
मै/हम अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रोक़त हूं/हैं	म्रौरराज्य में का रजिस्ट्रोकरण प्रमासापत्र	संख्याता॰	

ग रजिस्ट्रोकरण	िमंथारण	
राज्यमें का	मंख्याता०	T हैं/करते हैं,
है भौर र	प्रमाणपत्र	करता है/क

द्रपद,	188	1
निर्दिट, एक राज्य से दूसरे को चालान के ग्रभ्यन्तर उनके टक्क टस्नानेज एक्ट '३०/३०' के सकार	हुनाः दुन्नान्त्र समाणपत्र के क्रा	अभ्यन्तर उनका उसके खरीने वाले व्यापारी के

ाद्रपद,	1881

भादपद.	1881
יווא זע,	1001

भाद्रपद,	1881

(ख) मैं/हमने बस्तुश्रों के, उपर्युक्त मद 'ग' में

(ख) मैं/हम ने, बस्तुश्रों के, उपयुक्त मद 'ग' में

(ख) मैं/हम ने, बस्तुओं के उपयूकत मद 'ग' में निर्दिट, एक

राज्य से दूसरे को चालान के अभ्यन्तर, उनके हक्क दस्तावेज प्ररूप 'डः१/डः२' के......संख्या वाले प्रमाणपत्र के ग्रयीन लरीद कर, ऐमे जाने के प्रभयनतर उनका उसके खरीदने वाले व्यापारी के पक्ष में, जिसका पता इस प्रमाणपत्र में दिया

अभ्यन्तर उनका उसके खरीदने वाले व्यापारी के

वाले प्रमाणपत्र के प्रधीन खरीद कर, ऐसे जाने के

उनके हक्क दस्तावेज प्ररूप 'ङ १/ङ २' के....मंख्या

निर्दिष्ट, एक राज्य से दूसरे को चालान के अभ्यन्तर

करता ह/करते हैं,

द,	1881

गया है, पश्चात्वर्ती विक्य किया है,	पक्ष में, जिमका पता इस प्रमाणपत्र में दिया गया है पश्चात्वरी विकय किया है,	पक्ष में, जिसका पता इस प्रमाणपत्र में दिया गया है, पश्चात्वर्ती विकय किया है	त्रासाय
(ग) उस ब्यापारी ने, जिससे मैं/हमने उपर्युक्त (ख) में निर्दिट चालान के ग्रम्यन्तर बस्तुओं के हक्क दस्तावेज खरीदे हैं, प्रमाणित कर दिया है (i) कि वह कर दे चुका .है/देगा या (ii) बस्तुओं के हक्क दस्तावेजों के पूर्ववर्ती हस्तान्तरकों में से किसी के द्वारा दिया जा चुका है/दिया जायेगा ।	(ग) उस व्यापारी ने, जिसमे मै/हमने उपर्युक्त (ख) में निद्धिट चालान के अभ्यन्तर वस्तुओं के हक्क दस्तावेज खरीदे हैं, प्रमाणित कर दिया है (i) कि वह कर दे चुका है/देगा या (ii) वस्तुओं के हक्क दस्तावेजों के पूर्ववर्ती हस्तान्तरकों में से किसी द्वारा दिया जा चुका है/दिया जायेगा।	(ग) उस व्यापारी ने, जिससे मैं/हमने उपर्युक्त (ख) में निर्दिष्ट चाल.न के श्राभ्यन्तर वस्तुओं के हक्क दस्तावेज खरीदे हैं, प्रमाणित कर दिया है (i) कि वह कर दे चुका है/देगा या (ii) वस्तुओं के हक्क दस्तावओं के पूर्ववर्ती हस्तान्तरकों में से किमी के द्वारा दिया जा चुका है/दिया जायेगा ।	१९९१ राजनन, हिमापल प्र
हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	વશ, 1
स्थान (उदाहरणार्थं प्रवन्थक, भागीदार, स्वत्वयारी. निदेशक, सरकारीकारबार का भारसाथक पदाधिकारी)	स्थान व्यक्ति की हैसियत या सम्बन्ध (उदाहरणार्थ प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्वधारी, निदेशक, सन्कारी कारबार का भारमाधक पदा- थिकारी)	स्थान व्यस्ति की हैमियत या सम्बन्ध (उदाहरणार्थ प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्वधारी, निदेशक, सरकारी कारबार का भारमाधक पदा- धिकारी)	० ।तत्त्वर, १७८
तारीख पता (राज्य के नाम के सहित)	तारीखपना (राज्य के नाम के सहित)	तारीखपता (राज्य के नाम के सहित)	DIZI HIS

के अप्रीत बनाये गये नियमों के अनुकूल बिहित प्राधिकारी को दी जाये । [संख्या ८/८/एस० टी०/४८]

टिप्पण: समुचित राज्य सरकार द्वारा १३(३)

टिज्यणः प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले व्यापारी द्वारा

वाले व्यापारी द्वारा रख निया

भू

प्रमासपत्र

टिप्पण:

बाय

रख निया

